जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(जन–सम्पर्क अनुभाग)

(प्रेस विज्ञप्ति)

तकनीकी कर्मचारी सुरक्षा निर्देशों की पालना करते हुए आत्मविश्वास से कार्य करें

जयपुर, 15 जुलाई। जयपुर विद्युत वितरण निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री भास्कर ए. सावंत ने कहा है कि तकनीकी कर्मचारी अतिआत्मविश्वास के स्थान पर सुरक्षा नियमों व सुरक्षा साधनों का उपयोग करते हुए आत्मविश्वास से कार्य करें।

श्री सावंत ने बुधवार 15 जुलाई को विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए तकनीकी कर्मचारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से दी जाने वाली सुरक्षा ट्रेनिंग की शुरुआत करते हुए कहा कि डिस्कॉम की पहली प्राथमिकता विद्युत जनित हादसों को रोकना है। उन्होंने कहा कि फील्ड में उपभोक्ताओं को सेवा देने वाली महत्वपूर्ण कड़ी एवं वास्तविक सेवा देने वाला चेहरा तकनीकी कर्मचारी ही है।

उन्होंने कहा कि जयपुर डिस्कॉम में हाल ही में करीब 1400 नए टेक्नीकल हेल्परों को नियुक्ति दी गई है और ये सभी आईटीआई योग्यताधारी एवं युवा है। इनको कार्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, सुरक्षा उपकरणों के प्रभाव पूर्ण उपयोग के बारे में प्रशिक्षण दिया जाना जरुरी है।

श्री सावंत ने विद्युत दुर्घटनाओं के कारण एवं इनकी रोकथाम के उपायों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कर्मचारियों की दुर्घटना का मुख्य कारण अतिआत्मविश्वास में कार्य सम्पादन के दौरान सुरक्षा साधनों का प्रयोग नही करने की प्रवृति है। उन्होंने कहा कि तकनीकी कर्मचारी विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के साथ ही आम जनता की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि हमारे बर्ताव से आम जनता को यह लगना चाहिए कि हम जिम्मेदारी से कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा निर्देशों की अवहेलना कि वजह से यदि कोई विद्युत दुर्घटना होती है तो यह नही देखा जाएगा कि कर्मचारी छोटा है या बड़ा, बल्कि यह देखा जाएगा कि कौन सही है एवं कौन गलत है तथा जो भी दोषी होगा उसके विरुद्ध नियामानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

जयपुर डिस्कॉम में बुद्धवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से 95 केन्द्रों पर करीब 1570 तकनीकी कर्मचारियों को सुरक्षा ट्रेनिंग दी गई। जयपुर डिस्कॉम के मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री वी. पी.पारीक ने सुरक्षा उपायों की जानकारी देते हुए कहा कि विद्युत लाईन पर कार्य करने से पूर्व लिखित में शट डाउन लेना चाहिय, रबर के दस्ताने पहनना, सेफ्टी शूज का प्रयोग तथा अन्य सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने मानसिकता को संगठन के उद्धेश्य की पूर्ति हेतु लापरवाही, जल्दबाजी छोड़कर एकाग्रता, समग्रता से काम के बारे में मनोवैज्ञानिक तरीके को बताया। आम जनता को विद्युत जनित हादसों से बचाव के बारे में जानकारी देने के लिए गुरुवार 16 जुलाई को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुरक्षा ट्रेनिंग दी जाएगी। जिसमें सरकारी/निजी स्कूलों के बच्चों के साथ ही स्कूल के अध्यापको एवं प्रिन्सीपलों को भी आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंच, सरपंच व आमजन को भी आमंत्रित किया गया है।

————

प्रेस विज्ञप्ति संख्या– 246/2015